

पेश हो।

24/12/24

पत्रावली पेश हुई वकील परामरान उपस्थित थे
तः प्रार्थना पत्र पर उभयपक्ष की वदत पुनी गई
उक्त वदत व पत्रावली के अवलोकन के आधार पर
प्रार्थना पत्र अस्पा निवेद्याला स्वीकार किया जाकर
अप्रार्थितों को मूल दावे के निस्तारण तक अस्था
निवेद्याला से पाबन्ध किया जाता है कि आराजी खाता सं
69 के खतान- 185, 186, 187, 200 कुल किता 4 कुल रुका
3.5406 हैम्ट भूमि बाई गुम सिरोही खुर्द में प्राधी के कब्जे
कारण में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं करें। न कब्जा
करें। नाबाप्पों में बाधा उत्पन्न करें। आदेशिका किनांक
22/05/2024 को जारी स्पगन आदेश को मूलवाद के अन्तिम
निस्तारण तक पुष्ट किया जाता है। पत्रावली फंसल
शुमार होकर दर्ज नम्बर से कम है। आदेश खले
न्यायालय में सुनाया जाकर मौरै हस्ताक्षर व न्यायालय
मुद्रा से जारी किया गया।



पत्रावली अधिकारी
सोमर लेख